वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग पर कुछ आम सवाल (FAQs)

Value Research

वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग्स क्या हैं?

वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग पूरी तरह से मशीन द्वारा जेनरेट की गई क्वांटिटेटिव रेटिंग्स हैं जो हिस्टॉरिकल फ़ाइनेंशियल और प्राइस से जुड़े डेटा के आधार पर मिलती है. हर पात्र स्टॉक तीन रेटिंग पाते हैं: क्वालिटी, वैल्युएशन और ग्रोथ. ये रेटिंग सौ से ज़्यादा फ़ाइनेंशियल डेटा प्वाइंट्स का अनालेसिस करके दी गई हैं. निवेशक अपने निवेश के सिद्धांतों के मुताबिक़ इन तीनों रेटिंग्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके अलावा, हमारी कंपोज़िट रेटिंग ज़्यादा व्यापक नज़रिया देने के लिए तीनों रेटिंग्स को ख़ास अनुपात में जोड़ती है.

इन रेटिंग्स का सबसे पहला उद्देश्य निवेशकों को स्टॉक फ़िल्टर करने और निवेश के दायरे को सीमित करने में मदद करना है. इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि निवेश के फ़ैसले केवल वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग पर आधारित नहीं होने चाहिए.

निवेशकों के लिए ये रेटिंग कैसे काम की हैं?

वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग स्टॉक इन्वेस्टिंग की दो बड़ी चुनौतियों को सुलझाने का काम करती है. पहला, हज़ारों लिस्टिड कंपनियां हैं. निवेशक चाहे किसी भी स्तर का एक्सपर्ट हो, इतने बड़ी संख्या में से स्टॉक्स चुनना बहुत मुश्किल काम है. दूसरा, स्टॉक के अनालेसिस में कई सौ फ़ाइनेंशियल डेटा प्वाइंट्स को देखने की ज़रूरत होती है. स्टॉक रेटिंग को फ़िल्टर की तरह इस्तेमाल करने से, निवेशक अपने निवेश के दायरे को छोटा कर सकते हैं. इसके अलावा, बजाए कई सौ फ़ाइनेंशियल पैरामीटर को जांचने के बजाए, निवेशक हमारी रेटिंग के ज़रिए तेज़ी से किसी भी स्टॉक का आकलन कर सकते हैं.

इसके अलावा, निवेशक अपने निवेश के स्टाइल के मुताबिक़ हमारी रेटिंग को कई कॉम्बिनेशन में इस्तेमाल कर सकते हैं. मिसाल के तौर पर, एक क्वालिटी पर फ़ोकस करने वाला वैल्यू इन्वेस्टर, हाई क्वालिटी रेटिंग और हाई वैल्यूएशन रेटिंग दोनों को देखना चाहेगा. उसके विपरीत, एक ग्रोथ इन्वेस्टर हाई क्वालिटी रेटिंग और हाई ग्रोथ रेटिंग वाले स्टॉक्स को फ़िल्टर करना चाहेगा. एक GARP (ग्रोथ जो उचित दाम पर मिले) इन्वेस्टर तीनों रेटिंग्स को मिलाना चाहेगा. ज़्यादा व्यापक अनालेसिस के लिए इन्वेस्टर हमारी कंपोज़िट रेटिंग भी चुन सकते हैं.

हम स्टॉक रेटिंग पर कैसे पहुंचे

वैल्यू रिसर्च का 30 साल का स्टॉक रिसर्च का अनुभव है. हमारे लॉन्ग-टर्म निवेश के सिद्धांतों और अनुभव के आधार पर, हम अच्छे रिटर्न पाने के लिए तीन अहम फ़ैक्टर्स की पहचान करते हैं: क्वालिटी, वैल्युएशन और ग्रोथ.

हमारी तीन तरह की रेटिंग केवल क्वांटिटेटिव तरीक़े का इस्तेमाल करती है, जिससे इन तीनों फ़ैक्टर्स

की ख़ूबियों को अलग-अलग पकड़ने की कोशिश की जाती है. हालांकि, इसे हमारे एक्सपर्ट्स ने बनाया है, लेकिन ध्यान देने वाली बात है कि ये रेटिंग बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सिर्फ़ डिजिटल तरीक़े से की जाती है. इसकी विस्तृत कार्यप्रणाली यहां पढ़ सकते हैं.

क्या स्टॉक की हाई रेटिंग में हाई रिटर्न की गारंटी होती है?

स्टॉक रेटिंग फ़िल्टर करने के लिए एक अच्छे शुरुआती प्वाइंट के रूप में काम करती है. किसी स्टॉक में निवेश के लिए इसे कभी भी एकमात्र ट्रिगर नहीं होना चाहिए. इसलिए, हाई स्टॉक रेटिंग का मतलब, भविष्य में ज़्यादा रिटर्न की गारंटी नहीं है. ऐसा इसलिए, क्योंकि रेटिंग केवल क्वांटिटेटिव पैमानों पर आधारित होती है और इसमें क्वालिटेटिव फ़ैक्टर शामिल नहीं होते हैं.

हालांकि, हमने अपनी बैक-टेस्टिंग में देखा कि हाई कंपोज़िट-रेटेड शेयरों ने पांच साल की अवधि (2013 से) में बेहतर प्रदर्शन किया. विस्तृत रिपोर्ट के लिए यहां क्लिक करें.

क्या स्टॉक रेटिंग फ़ूलप्रूफ़ होती हैं?

स्टॉक रेटिंग पूरी तरह से क्वांटिटेटिव फ़ैक्टर्स पर की जाती है जहां सैकड़ों फ़ाइनेंशियल डेटा कैलकुलेशन में इस्तेमाल होता है. अगर डेटा में हेरफेर की गई है या डेटा ग़लत है, तो रेटिंग ग़लत हो सकती है. ये रेटिंग कंपनियों के क्वालिटेटिव पहलुओं को भी शामिल नहीं करती हैं. इसके अलावा, स्टॉक रेटिंग पाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला फ़ाइनेंशियल डेटा ऐतिहासिक है और भविष्य बताने वाला नहीं है.

इसलिए, ऐसे उदाहरण हो सकते हैं जहां कम क्वालिटी वाली कंपनी फ़ाइनेंशियल हेरफेर या अचानक होने वाले दूसरे महत्वपूर्ण परिवर्तनों के कारण हाई रेटिंग पा सकती है.

स्टॉक रेटिंग शॉर्ट-टर्म निवेशकों ले लिए है या लॉन्ग-टर्म निवेशकों के लिए?

वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग को केवल लॉन्ग-टर्म निवेश के लिए विकसित और बैक-टेस्ट किया गया है. ये रेटिंग शॉर्ट-टर्म निवेश के लिए काम नहीं कर सकती हैं. लंबी अवधि के रिटर्न कंपनी के बुनियादी सिद्धांतों का बारीक़ी से पालन करते हैं. इसके विपरीत, अलग-अलग तरह के कारणों, जैसे - हाइप या प्रचार, स्टॉक के आसपास तात्कालिक मार्केट सेंटिमेंट आदि को देखते हुए, शॉर्ट-टर्म रिटर्न की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है.

स्टॉक रेटिंग कितनी बार अपडेट की जाती हैं?

मार्केट खुलने से पहले स्टॉक रेटिंग रोज़ाना अपडेट की जाती है. हालांकि, ये ध्यान रखना ज़रूरी है कि जहां प्राइस से जुड़े रेशियो रोज़ पर बदलते हैं, वहीं कई फ़ाइनेंशिल पैरामीटर केवल तिमाही पर ही बदल सकते हैं.

कौन से स्टॉक रेटिंग के पात्र हैं?

हम एक्सचेंज पर लिस्ट होने वाली सभी कंपनियों को शामिल करते हैं. हालांकि, निम्नलिखित कैटेगरी की कंपनियों को रेटिंग से बाहर रखा गया है:

- जिन कंपनियों ने पिछले एक महीने में क़ारोबार नहीं किया है
- ऐसी कंपनियां जिनके नवीनतम वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं हैं
- ऐसी कंपनियां जिनका पांच साल का इतिहास नहीं है
- ऐसी कंपनियां जिनकी पिछले पांच साल में किसी भी अवधि में शून्य बिक्री रही हो
- कंपनियां जिन्हें ताज़ा बैलेंस शीट के मुताबिक़ घाटा हुआ है या जिनकी नेट-वर्थ नेगेटिव रही है.
- कंपनियां जो सभी लिस्टिड कंपनियों की कुल मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के निचले एक प्रतिशत का हिस्सा हैं.

मुझे स्टॉक रेटिंग कहां मिल सकती है, और मैं रेटिंग के आधार पर स्टॉक को कैसे फ़िल्टर कर सकता हूं?

वैल्यू रिसर्च स्टॉक रेटिंग, संबंधित स्टॉक के पेज पर उपलब्ध हैं. आपको बस सर्च बार में स्टॉक का नाम दर्ज करना है, ड्रॉपडाउन से स्टॉक का चुनाव करना है और एंटर दबाना है:

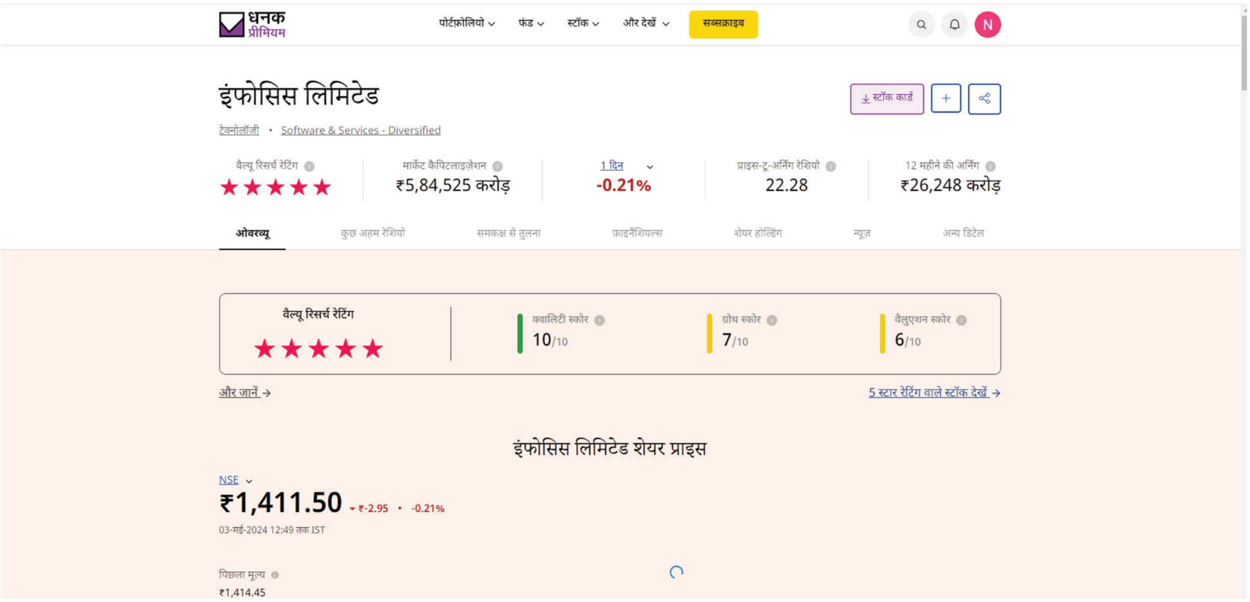

स्टॉक को हमारे स्टॉक स्क्रीनर से रेटिंग के आधार पर फ़िल्टर किया जा सकता है. यूज़र रेटिंग को क्राइटेरिया के तौर पर जोड़ सकते हैं और अपने पैरामीटर सेट कर सकते हैं.